नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में ''19 वें विश्व दुग्ध दिवस'' का आयोजन

जबलपुर। आज दिनांक 1 जून 2019 को नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति सभागार में **''विश्व दुग्ध दिवस''** का आयोजन हुआ, यह कार्यक्रम खाद्य एवं कृषि संगठन संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1 जून 2001 से पूरे विश्व में मनाया जा रहा है। जिसका उद्देश्य डेयरी क्षेत्र में स्थायित्व, आर्थिक समृद्धि अजीविका तथा खाद्य पोषण में महत्वपूर्ण योगदान है। इस वर्ष आयोजित किये जाने वाले विश्व दुग्ध दिवस का विषय **''आज एवं प्रतिदिन दुग्ध ग्रहण करते हुये मानव स्वास्थ्य को सुदृढ़ता प्रदान कराना है''।** इसी को दृष्ट्रिगत रखते हुये यह आयोजन मुख्य अतिथि माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल जी, कुलपति, ना.दे.प.चि.वि. विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुशल मार्ग दर्शन व संरक्षण में आयोजित हुआ। इस अवसर पर डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार शिक्षा ने उद्बोधन देते हुये कहा कि दूध एक अपारदर्शी सफेद द्रव है जो मादाओं के दुग्ध ग्रन्थियों द्वारा बनाया जाता है। नवजात शिशु तब तक दूध पर निर्भर रहता है जब तक वह अन्य पदार्थों का सेवन करने में अक्षम होता है। साधारणतया दूध में 85 प्रतिशत जल होता है और शेष भाग में ठोस तत्व यानी खनिज व वसा होता है। दूध प्रोटीन, कैल्शियम और राइबोफ्लेविन (विटामिन बी–2) युक्त होता है, इनके अलावा इसमें विटामिन ए,डी, के और ई सहित फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, आयोडीन व कई खनिज और वसा तथा ऊर्जा भी होता है। इंटरनेशनल डेयरी जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक यूनिवर्सिटी ऑफ मायने में किए गए एक शोध से यह बात साबित हो चुकी है कि जो लोग रोजाना कम से कम एक ग्लास दूध पीते हैं, वे उन लोगों की तुलना में हमेशा मानसिक और बौद्धिक तौर पर बेहतर स्थिति में होते हैं, जो दूध का सेवन नहीं करते है। कुलपति जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतवर्ष दुग्ध उत्पादन में सर्वोच्च स्थान पर है साथ ही हम बढ़ती आबादी के अनुपात में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि व उचित मूल्य पर उत्तम गुणवत्ता के दूध की उपलब्धता को

सुनिश्चित करना है। साथ ही आपने नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान वि.वि. में डेयरी विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की स्थापना पर बल दिया। जिससे प्रदेश में दूध की गुणवत्ता के साथ उचित दर उपलब्धता सुनिश्चित करने में वि.वि. की महत्वपूर्ण सहभागिता प्रतिपादित हो सके। साथ ही कुलपति जी ने अपने उद्‌बोधन में वि.वि. में संचालित शिक्षण, अनुसंधान परियोजनाओं एवं विस्तार गतिविधियों में उपस्थित जनों को जानकारी एवं आपने गौ संवर्धन एवं संरक्षण से संबंधित भावी परियोजना के बारें में विस्तार से अवगत कराया व सभी को विश्व दुग्ध दिवस पर शुमकामनायें प्रेषित की गई।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डॉ. यश पाल साहनी, संचालक अनुसंधान सेवायें, डॉ. श्रीकांत जोशी, कुलसचिव, डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार शिक्षा, श्री अनिल केशरवानी, लेखा नियंत्रक, डॉ. जे.के. भारद्वाज, संचालक प्रक्षेत्र, डॉ. एस. के. महाजन, अधिष्ठाता, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, डॉ. मधु स्वामी, परीक्षा नियंत्रक, डॉ. आर.पी. नेमा, डॉ. अमिता तिवारी, डॉ. जी.पी.लखानी, विभागाध्यक्ष, पशु उत्पादन एवं प्रबंध, एवं विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारीयों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिल कुमार गौर, सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी एवं आभार प्रर्दशन डॉ. बी.राय, सह–प्राध्यापक द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर (म.प्र.)